खरीफ एवं रबी की मुख्य फसलों के कीट/रोग एवं नियंत्रण के उपाय

क्र. सं.	नाम फसल	नाम कीट/रोग	नियंत्रण के उपाय
1	बाजरा	1. कातरा	1. प्रकाशपाश का उपयोग करें। 2. एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत या मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें या डाईक्लोरोवास 100 ई.सी. 300 मि.ली. या मिथाईल पैराथिऑन 50 प्रतिशत ई.सी. 750 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 625 मि.ली. का प्रति हैक्टर छिड़काव करें।
		2. सफेद लट	1. भ्रंग नियंत्रण हेतु परपौषी वृक्षों पर मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस.सी. 25 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 36 मि.ली. या कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 72 ग्राम एक पीपे में मिलाकर छिड़काव करें। 2. लट अवस्था में एक किलो बीज में तीन किलो कार्बोफ्यूरान 3 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 5 प्रतिशत कण मिलाकर बुवाई करें।
		3. अरगट	सिटटे निकलते समय ढाई किलो जाईनव या डेढ से 2 किलो मेंकोजेब के 3–3 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
2	ज्वार	1. कंण्डवा	बीज को 3 ग्राम थाईरम या 4 ग्राम गंधक चूर्ण प्रति किलो की दर से उपचारित कर बोयें।
		2. पत्ती धब्बा	1. प्रतिरोधी किस्मे सी.एस.एच. 5,6 एवं 9 की बुवाई करें। 2. रोग की संभावना होने पर 2.5 किलो जाईनेब या 1.5से2 किलो मेंकोजेब प्रति हैक्टर छिड़के/आवश्यकतानुसार 15 दिन बाद पुनः छिड़काव करें।
		3. तना मक्खी	बुवाई करते समय कतारों में बीज से 3 से.मी. नीचे कारबाफ्यूरान 3 प्रतिशत कण 15 किलो प्रति हैक्टर की दर से कूंड में उरकर देवें।
		4. सैन्य कीट	मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर भुरके।
		5. तना छेदक	1. प्रकाशपाश का उपयोग करें। 2. इण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 5 प्रतिशत कण 8–10 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के 25 दिन बाद पौधों के पोटों में 5–7 कण प्रति पौधा डालें।
		6. माईट्स	ढाई किलो घुलनशील गन्धक या एक लीटर मिथाईल डिमेटोन 25 प्रतिशत ई.सी. प्रति हैक्टर की दर से पानी में घोलकर छिड़काव करें।

3	मक्का	1. तना छेदक	1. मक्का की बुवाई के 15–30 दिन में फोरेट 10 जी. अथवा कार्बोफ्यूरॉन 3 जी 7.5 किलो प्रति हैक्टर की दर से पौधों के पोटों में डाले अथवा फसल पर एण्डोसफलफन 25 प्रतिशत ई.सी. सवा लीटर या कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 1.8 किलोग्राम पानी में घोलकर प्रति हैक्टर छिड़काव करें। 2. जैविक कीट प्रबन्धन हेतु ट्राईकोगामा अण्ड परजीवी 1.5 लाख प्रति हैक्टर की दर से फसल की 10,20,30 दिन की अवस्था पर छोड़ना प्रभावी रहता है।
		2. मोयला (चेपा)	मांजरे निकलते समय एक लीटर मिथाईल डिमेटोन 25 प्रतिशत ई.सी. को 500–600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर छिड़काव करें।
		3. फड़का व सैन्य कीट	मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरकाव करें।
		4. मेंडिस पत्ती झुलसा रोग	मेंकोजेब दवा के 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव फसल की एक माह की अवस्था पर करें। आवश्यकतानुसार छिड़काव 10–15 दिन बाद दोहरावें।
4	कपास (सिंचित क्षेत्र)	1. सफेद मक्खी, ग्रेन्वीबिल, जैसिंड, थ्रिप्स, चेपा सफेद मकड़ी	प्रथम छिड़काव : एक लीटर डाईमिथोएट 3. ई.सी. या मिथाईल डिमेटोन 25 ई.सी. या सवा लीटर मेलाथियान 50 ई.सी. किसी एक दवा का छिड़काव कीड़े दिखाई देने पर करें। दूसरा छिड़काव : रस चूसने वाले कीड़ों लीफरोलर व अन्य कीटों के लिए दूसरा छिड़काव जुलाई के दूसरे या तीसरे सप्ताह तक फिर कीजिए। मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 20 किलो ग्राम, या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. या मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू. एस. सी. एक लीटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. ढाई किलो प्रति हैक्टर की दर से काम में लिए जा सकते है। तीसरा छिड़काव : चितकबरी लट, गुलाबी लट, हेयर केटर पिलर, ग्रेवीविल की रोकथाम के लिए सवा लीटर क्यूनालफॉस 25 ई.सी. या एण्डो सल्फान 35 ई.सी. या ढाई किलो कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण या एक लीटर मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस.सी. या 400–450 मि.ली. परमैथ्रिन 10 ई.सी. या 450 मि.ली. फेनवेलरेट 20 ई.सी. या एक लीटर क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. का प्रति हैक्टर की दर से अगस्त के पहले से तीसरे सप्ताह में छिड़काव करें। चौथा छिड़काव : टिण्डा छेदक, सफेद मक्खी, हरा तेला व चेपा आदि के लिए सितम्बर के प्रथम सप्ताह से तृतीय सप्ताह तक ढाई किलो कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण या एक लीटर मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू एस.सी. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. या क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. या 400 मि.ली. परमैथ्रिन 25 ई.सी. या 450 मिली लीटर फेनवेलरेट 20 ई.सी. या सवा लीटर एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. का प्रति हैक्टर छिड़काव करें। पांचवा छिड़काव : यदि कीटों का प्रकोप अधिक दिखाई दे तो अक्टूबर में चौथे छिड़काव से सिफारिशानुसार रसायनों का छिड़काव करें या 200 मि.ली. साईपरमैथ्रिन 25 ई.सी. या 500 मि.ली. साईपरमैथ्रिन 10 ई.सी. या 400 मि.ली. डेकामेथ्रिन 2.8 ई.सी. या बिटा सिफ्लूथ्रिन 25 ई.सी. या 240 मि.ली. एल्फामैथ्रिन 10 ई.सी. का छिड़काव करें।

		ब्लेक आर्म (जीवाणु अंगमारी)	इसकी रोथाम हेतु दूसरे तीसरे एवं चौथे छिड़काव में काम में ली जाने वाली दवा के साथ 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लीन या 20 ग्राम एग्रीमाईसिन तथा 2 किलो तांबायुक्त फफूंदनाशी दवा मिलाकर छिड़काव करें।
	कपास (असिंचित)	ग्रेवीविल, जैसिड, सफेद मक्खी, तेला, पत्री मोड़क	प्रथम छिड़काव : जुलाई के आखिरी अथवा अगस्त के पहले सप्ताह में फार्मोथियान 25 ई.सी. या डाईमेथोएट 30 ई.सी. या मिथाईल डेमेटोन 25 ई.सी. एक लीटर या मैलाथिऑन 50 ई.सी. सवा लीटर या मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 20 किलो का प्रति हैक्टर छिड़काव/बुरकाव करें। द्वितीय छिड़काव : वालवर्म, जैसिड, ग्रे–वीविल आदि की रोकथाम के लिए अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितम्बर के पहले सप्ताह में मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस.सी. एक लीटर या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. या फेनेट्रोथिऑन 50 ई.सी. सवा लीटर या कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढाई किलो का छिड़काव करें। इसके साथ 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लिन या 20 ग्राम एग्रीमाईसिन भी मिलाएं। तृतीय छिड़काव : सितम्बर के तीसरे या चौथे सप्ताह में द्वितीय छिड़काव के लिए दी गई दवाओं को काम में लेते हुए तीसरा छिड़काव करें।
	देशी कपास	ग्रे–वीविल, जैसिड, सफेद मक्खी, तेला पत्री मोडक, वाल वर्म	देशी कपास के लिए असिंचित क्षेत्र में अमेरिकन कपास के लिए दिये गये अंतिम दो छिड़काव कर देना ही काफी रहता है। समन्वित कीट प्रबन्ध : 1. चूसने वाले कीटों के नियंत्रण हेतु क्राईसोपा के अण्डे/ग्रव 50000 प्रति हैक्टर 2. हेलीथिस मोथ के लिए एक लाईटट्रेप प्रति 5 हैक्टर क्षेत्र के लिए। अमेरिकन बालवर्म एवं स्पेडोपटेरा कीट नियंत्रण हेतु एन.पी.वी. (एस) 250 एल.ई. प्रति हैक्टर छिड़काव करें।
	कपास (सिंचित)	जड़गलन रोग	प्रति किलो बीज को 5 ग्राम पी.सी.एन.बी. (ब्रेसीकोल) से उपचारित कर बोये।
5	मूंगफली	सफेद लट नियंत्रण	1. 80 किलो बीज को 2 लीटर क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. रसायन मिलाकर बुवाई करें। 2. फेरोमेन ट्रेप ल्योर 5 फैरोमेन ट्रेप 25 प्रति हैक्टर काम में लेवें।
		कातरा	1. कातरे के पतंगे के नियंत्रण हेतु प्रकाशपाश का उपयोग करें। एक लाईट्रेप 5 हैक्टर क्षेत्र हेतु। 2. कातरे की लटों को मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत चूर्ण या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरकाव करें। 3. जहां पानी उपलब्ध हो वहां पर डाईक्लोरोवास 100 ई.सी. 300 मि.ली. या मिथाईल पैराथिऑन 50 ई.सी.

			750 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 625 मि.ली. या क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. 1 लीटर प्रति हैक्टर छिड़काव करें।
		दीमक	खड़ी फसल में दीमक का प्रकोप दिखाई देने पर 2 लीटर क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ दीजिए।
		मोयला	मेलाथिऑन 50 प्रतिशत या मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो पति हैक्टर की दर से बुरकाव करें या मेलाथिऑन 50 प्रतिशत ई.सी. सवा लीटर या मिथाईल पैराथिऑन 50 ई.सी. 750 मि.ली. या मिथाई डिमेटोन 25 ई.सी. एक लीटर दवा का घोल बनाकर छिड़काव करें।
		क्राउनरोट	3 ग्राम थाईरम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
		मकड़ी	मकड़ी का प्रकोप दिखाई देने पर गंधक का चूर्ण 16–20 किलो प्रति हैक्टर की दर से भुरकें।
		टिक्का	कार्बेण्डेजिम आधा ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का अथवा एक से डेढ़ किलो मैंकोजेब का प्रति हैक्टर छिड़काव करें। इसके पश्चात् 1.–15 दिन के अन्तर पर ऐसे दो छिड़काव करें।
		पीलिया रोग	0.5 प्रतिशत हरा कसीस के घोल का प्रति छिड़काव करें। इसके अभाव में गंधक के तेजाब के 0.1 प्रतिशत घोल का फसल में फूल आने से पहले एक बार तथा पूरे फूल आ जाने के बाद दूसरी बार छिड़काव करें।
6	सोयाबीन	फड़का	मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत या मैलाथिऑन 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर बुरकाव करें।
		तना व पत्ती छेदक	नियंत्रण हेतु फेन्थऑन या लेबासिड या क्यूनालफॉस 500–700 मि.ली. या मिथाईल पैराथिऑन 50 प्रतिशत 300–500 मि.ली. प्रति हैक्टर की दर से 500–700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
		फुदकते तेला (जेसिड्स)	इनकी रोकथाम हेतु डायमिथोएट 30 ई.सी. या फालोथिऑन या मिथाईल डिमेटोन 400–600 मि.ली. दवा को प्रति हैक्टर की दर से 400–600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार तीन सप्ताह पश्चात् छिड़काव पुनः दोहरावें।
		गर्डल बीटल	इसकी रोकथाम हेतु फेन्थिऑन या डाई मिथोएट या एण्डो सल्फान या मोनोक्रोटाफॉस 600–1000 मि.ली. दवा प्रति हैक्टर की दर से 400–600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
		बालो वाली लट	1. कीट प्रभावित पौधों को अण्डों व लटों सहित उखाड़कर नष्ट करें। 2. क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत या एण्डो सल्फॉन 4 प्रतिशत या मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत 25 किलो प्रति हैक्र की दर से भुरकाव करें या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. का एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के 35 दिन बाद छिड़काव करें।
		सोयाबीन की हरी अर्ध	इसकी रोकथाम हेतु ट्राईजोफॉस 40 ई.सी. का 800 मि.ली. की दर से बुवाई के 25 से 45 दिन बाद छिड़काव

		कुण्डलक (सेमील्यूपर)	करें या प्रति हैक्टर एक लीटर बी.टी. का समुचित पानी की मात्रा में घोल बनाकर छिड़काव करें। आवश्यकता हो तो 15 दिन बाद एक लीटर एण्डोसल्फॉन का छिड़काव करें या 30–35 दिन की फसल अवस्था पर प्रति हैक्टर 1.5 लीटर क्यूनालफॉस 25 ई.सी. या क्लोरापायरिफॉस 20 ई.सी. का छिड़काव करें। **समन्वित कीट प्रबन्धक :** 1. टोबाकोकेटर पिलर हेतु एन.पी.वी. (एस) 250 एल.ई. प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें। 2. केटर पीलर की मोथ हेतु फेरोमेने ट्रेपल्योर व 5 फेरोमेन ट्रेप 25 स्पोडेपटेरा ल्यूर प्रति हैक्टर। 3. मोथ हेतु एक लाईटट्रेप प्रति 5 हैक्टर
		पीलिया रोग	फसल में जब भी पीलापन दिखाई दे तथी 0.1 प्रतिशत गंधक का तेजाब या 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट (हरा कसीस) का छिड़काव करें।
		जीवाणु रोग	इसकी रोकथाम हेतु 2 ग्राम स्टेप्टोसाईक्लिन 20 लीटर पानी की दर से घोलकर बनाकर छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार दूसरा छिड़काव 15 दिन बाद करें।
		विषाणु रोग	1. रोग ग्रस्त पौधों को ऊखाड कर नष्ट करें। 2. डाईमिथेएट/मैटा सिस्टाक्स 500–600 मि.ली. दवा को 500–600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें। आवश्यकतानुसार 15 दिन बाद पुनः छिड़काव करें।
		पत्ती धब्बा रोग	इसकी रोकथाम हेतु एक से सवा किलो मेंकोजेब प्रति हैक्टर की दर से छिड़कें।
		माईकोप्लाज्मा	नियंत्रण हेतु डायमिथोएट या मिथाईल डिमेटोन 500 मि.ली. दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर छिड़कें।
		तना गलन	1. पौधों को उखाड़ कर नष्ट करें। 2. अगले वर्ष उस खेत में सोयाबीन की बुवाई नहीं करें। 3. रोकथाम हेतु डेढ़ से दो किलो मेंकोजेब का 600–700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
		फली झुलसा रोग	रोग दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू.सी. के 0.05 प्रतिशत घोल के दो छिड़काव 15 दिन के अन्तराल पर करें।
7	धान	जेसिड, थिप्स एवं प्लान्ट हॉपर गंधीबग	कीट लगने पर एक लीटर मोनोक्रोफॉस, 36 डब्ल्यू.एस.एल. या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. या 500 मि.ली. डायमिथोएट 30 ई.सी. या 800 मि.ली. मिथाईल डिमेटोन 25 ई.सी. को 600 लीटर पानी में पौध लगाने के 30 से 35 दिन बाद 2–3 सप्ताह के अन्तर पर 2–3 बार छिड़काव करें। गांधीबग का प्रकोप दाने की दूधिया अवस्था पर होता है इसका प्रकोप होने पर कारबेरिल 5 प्रतिशत चूर्ण अथवा

			इण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरकें।
		सैन्य कीट एवं शीर्ष लट	इसकी रोकथाम के लिए मिथाईल पैराथिऑन 50 डब्लयू.एस.सी. 250–300 मि.ली. या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. 750–800 मि.ली. का 600–700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें। अगर छिड़काव संभव नहीं हो तो मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरके।
		जीवाणु अंगमारी रोग	इसकी रोकथाम के लिए 25 ग्राम स्टेप्टोसाईक्लिन प्रति हैक्टर की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। आवश्यकता हो तो 10–15 दिन बाद यह छिड़काव दोहरावें।
		ब्लास्ट एवं पत्ती धब्बा रोग	रोग का प्रकोप होने पर एक से सवा किलो मंकोजेब या 500 मि.ली. काईटोजिन का घोल बनाकर छिड़काव करें।
		जस्ते की कमी	इसकी रोकथाम हेतु 5 किलो जिंक सल्फेट तथा ढ़ाई किलो चूना प्रति हैक्टर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़कें।
8	तिल	पत्ती फली छेदक	इसके नियंत्रण हेतु एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. 1.5 लीटर या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से फूल व फली आते समय छिड़काव करें। द्वितीय छिड़काव नीम के तेल 10 मि.ली. 1 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर करें।
		गॉलम्क्खी, सैन्य कीट, हॉक मोथ एवं फड़का	इसकी रोकथाम हेतु मैलाथियॉन 5 प्रतिशत चूर्ण या मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत चूर्ण 20–25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरके। पानी की सुविधा वाले क्षेत्रों में कारबेरियल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण 0.1 प्रतिशत या मोनोक्रोटोफॉस 0.04 प्रतिशत के घोल का छिड़काव करें।
		तुलसा एवं अंगमारी	इस रोग के लक्ष्य दिखाई देते ही मेंकोजेब या जाईनेब डेढ़ किलो या कैप्टान 2 से 2.5 किलो प्रति हैक्टर की दर से 15 दिन के अन्तर पर छिड़काव करें।
		छाछया	इसके नियंत्रण हेतु 20 किलो गंधक का चूर्ण प्रति हैक्टर बुरकाव करें अथवा 200 ग्राम कार्बेण्डेजिम का प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
		जड़ व तना गलन	इसकी रोकथाम हेतु बुवाई के पूर्व बीज को 1 ग्राम कार्बेण्डेजिम + 2 ग्राम थाईरम या 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम या 4 ग्राम ट्राईकोडरमा बिरडी प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
		पत्तीयों के घब्बे	रोकथाम हेतु बुवाई से पूर्व बीजों को 2 ग्राम स्टेप्टोसाईक्लिन या 10 ग्राम पौषामाईसिन के 10 लीटर पानी के घोल में 2 घंटे डूबोकर, सूखाने के बाद खेत में बोए। बुवाई के डेढ़ से 2 माह के बाद 20 ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लिन प्रति हैक्टर के 15–15 दिन के अन्तराल से 2–3 बार छिड़काव करें।
		पत्ती विषाणु रोग	इसके नियंत्रण हेतु क्यूनालफॉस 25 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से दो बार बुवाई के 25 दिन एवं 40

			दिन बाद छिड़काव करें।
		लीफ कर्ल	1. रोग ग्रस्त पौधों को खेत से निकालकर नष्ट कर दें। 2. मिथाईल डेमेटोन 1 मि.ली. 1लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।
9	अरण्डी	सेमीलूपर व बिहारी केटर पिलर	इसके नियंत्रण हेतु सवा लीटर एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
		पत्ती धब्बा एवं झुलसा	इस रोग के नियंत्रण हेतु 2 किलो मेंकोजेब का पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़कें।
10	खरीफ दलहन	कातरा	1. लाईटट्रेप एक प्रति 5 हैक्टर। 2. कातरे की लट की अवस्था में मिथाईल पैराथिऑन 2 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 या एण्डोसल्फान 4 प्रतिशत
			चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से बुरकाव करें। 3.जहां पानी उपलब्ध हो, वहां डाईक्लोरोवास 100 ई.सी. 300 मिलीलीटर या मिथाईल पैराथियॉन 50 ई.सी. 750 मिलीलीटर या क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 625 मिलीलीटर या क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टर का छिड़काव करें।
		2. मोयला, हरा तेला व मक्खी	इनकी रोकथाम हेतु मैलाथियॉन 50 ई.सी. या डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर या मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से प्रयोग करें।
		3. ब्लेक लीफ वीविल एवं ब्ल्यू बीटल	नियन्त्रण हेतु 20–25 किलो प्रति हैक्टर की दर से मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत चूर्ण भुरकें।
		4. फली छेदक	इसके नियन्त्रण हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्लू एस.सी. या एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।
		5. छाछया रोग	इसकी रोकथाम हेतु ढाई किलो घुलनशील गंधक या एक लीटर कैराथेन प्रति हैक्टर 800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें।
		6. पीलिया रोग	इसके नियन्त्रण हेतु 0.1 प्रतिशत गंधक के तेजाब या 0.5 प्रतिशत फेरस सल्फेट (हरा कशीश) का छिड़काव करें।
11.	ग्वार	1. मोयला, सफेद मक्खी व हरा तेला	इनकी रोकथाम हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्लू एस.सी. या डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर दवा छिड़कें अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर भुरकें।
		2. झुलसा	खड़ी फसल में 2.5 किलो तांबायुक्त फफूंदीनाशी प्रति हैक्टर की दर से छिड़कें।
		3. छाछया रोग	25 किलो गंधक का चूर्ण भुरकें या एक लीटर कैराथेन का छिड़काव प्रति हैक्टर करें।

12.	गेहूँ	1. दीमक	खड़ी फसल में दीमक की रोकथाम हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. चार लीटर या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. ढाई लीटर प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ देवें।
		2. शूट फलाई	इसके उपचार हेतु मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्लू.एस.सी. 500 मिलीलीटर या फोसोलोन 35 ई.सी.750 मिलीलीटर का अंकुरण के तीन चार दिन के अन्दर छिड़काव करें।
		3. मकडी, मोयला व तेला	इनकी रोकथाम हेतु फार्मोथियान 25 ई.सी. या मिथाईल डेमेटोन 25 ई.सी. या डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर या मैलाथियान 50 ई.सी. एक से डेढ लीटर या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. 00 से 1000 मिलीलीटर का प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
		4. रोली रोग	1. रोग नियन्त्रण हेतु रोली रोगरोधी किस्मों की बुवाई करें। 2. दो किलो मैन्कोजेब का प्रति हैक्टर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
		5. अनावृत कंण्डवा	बीज की बुवाई के पूर्व दो ग्राम कार्बोक्सिन या वीटावेक्स से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
		6. चूहा नियन्त्रण	इनकी रोकथाम हेतु एक भाग जिंक फास्फाटेड को 47 भाग आटे और 2 भाग तिल या मूंगफली के तेल में मिलाकर विषैला चुग्गा तैयार करें। प्रत्येक आबाद बिल में 6 ग्राम चुग्गा रखें या ब्रोमोडायलिन .005 प्रतिशत बेट (15 ग्राम प्रति बिल) चूहा नियंत्रण हेतु 25 बिल प्रति हैक्टर से अधिक होने पर काम में लेवें।
13.	जौ	1. ब्ल्यू बीटल और फील्ड क्रिकेट्स	कीटग्रस्त खेतों में प्रति हैक्टर 25 किलो मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत चूर्ण का भुरकाव करें।
		2. मकडी, मोयला एवं तेला	इनके उपचार हेतु फार्मोथियान 25 ई.सी. या मिथाईल डेमेटोन 25 ई.सी. या डायमिथोएट 30 ई.सी. एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से छिड़काव करें।
		3. दीमक	खड़ी फसल में दीमक नियन्त्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. चार लीटर या एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. ढाई लीटर प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ देवें।
		4. रोली रोग	इसकी रोकथाम हेतु 25 किलो गंधक का चूर्ण प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें या रोग के प्रारम्भ होते ही कैलेक्सिन 750 मिलीलीटर या बेलीटान 500 मिलीलीटर प्रति हैक्टर छिड़कें।
		5. मोल्या रोग	1. मोल्यारोधी किस्मों की बुवाई करें। 2. फसलचक्र में चना, सरसों, प्याज, सूरजमुखी, मैथी, आलू या गाजर की फसल बोऐं। 3. गर्मी में खेतों की गहरी जुताई करें। 4. जिन खेतों में रोग का अधिक प्रकोप हो वहां बुवाई से पूर्व 30 किलो कार्बो फ्यूरॉन 3 प्रतिशत कण प्रति हैक्टर की दर से भूमि में उरकर बुवाई करें।

		6. चूहों की रोकथाम	इनकी रोकथाम हेतु एक भाग जिंक फास्फाटेड को 47 भाग आटे और 2 भाग तिल या मूंगफली के तेल में मिलाकर विषैला चुग्गा तैयार करें तथा चूहों के आबाद बिलों में 6 ग्राम चुग्गा प्रति बिल रखें या ब्रोमोडायलिन .005 प्रतिशत बेट (15 ग्राम प्रति बिल) चूहा नियंत्रण हेतु 25 बिल प्रति हैक्टर से अधिक होने पर काम में लेवें।
14.	चना	1. कटवर्म, दीमक एवं वायर वर्म	इनकी रोकथाम के लिए एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर की दर से आखिरी जुताई से पूर्व भुरकें।
		2. फली छेदक	1. इसकी रोकथाम हेतु फूल आने से पहले व फली लगने के बाद मैलाथियॉन 5 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत या कार्बेरिल 5 प्रतिशत या फैन्थोएट 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलो प्रति हैक्टर बुरकें। 2. फली छेदक नियन्त्रण हेतु फूल आते समय एन.पी.वी. 250 एल.ई. 125 मिली लीटर तथा 625 मिलीलीटर एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. प्रति हैक्टर का पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अन्तराल पर तीन छिड़काव करें। या फलीछेदक के नियन्त्रण हेतु लगभग 50 प्रतिशत फूल आने पर नीम का तेल 700 मिलीलीटर प्रति हैक्टर का छिड़काव करें। 3. ट्रेप ल्यूर 5 ट्रेप एवं 25 हैल्योथिस आर्मीगेरा ल्यूर प्रति हैक्टर एवं लाईट ट्रेप 1 ट्रेप प्रति 5 हैक्टर उपयोग में लेवें।
		3. झुलसा रोग	झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देते ही मैन्कोजेब के 0.2 प्रतिशत या कॉपर आक्सीक्लोराईड के 0.3 प्रतिशत या घुलनशील गंधक के 0.2 प्रतिशत घोल के 10 दिन अन्तर पर चार छिड़काव करें।
		4. जडगलन	6 ग्राम ट्राइकोडर्मा प्रति किलो से बीजोपचार करें या कार्बेण्डेजिम 1 ग्राम या थाईरम 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज दर से उपचारित करें।
15.	सरसों	1. पैन्टेग बग व आरामक्खी	इनकी रोकथाम हेतु एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत या क्यूनालफॉस 1.5 प्रतिशत या मैलाथियॉन 5 प्रतिशत या मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या कार्बेरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 20–25 किलो प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।
		2. मोयला	मोयला की रोकथाम हेतु मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबेरिल 5 प्रतिशत चूर्ण 20–25 किलो प्रति हैक्टर बुरकें या पानी की सुविधा वाले स्थानों पर एण्डोसल्फॉन 35 ई.सी. या मैलाथियॉन 50 ई.सी. सवा लीटर या डाई मिथेएट कारबोरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढाई किलो अथवा क्लोरोपाईरीफॉस 20 ई.सी. 600 मिलीलीटर प्रति हैक्टर की दर से पानी में मिलाकर छिड़कें या अजाडिरिक्टिन 1500 एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से स्प्रे करें।
		3. लीफ माईनर	लीफ माईनर की रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 700 मिलीलीटर या मिथाईल पैराथियॉन 50 ई.सी. 500

			मिलीलीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जहां छिड़काव सम्भव नहीं हो वहां पर एण्डोसल्फॉन 4 प्रतिशत या मैलाथियान 5 प्रतिशत या कारबोरिल या 5 प्रतिशत मिथाईल पैराथियॉन 2 प्रतिशत चूर्ण 20–25 किलो प्रति हैक्टर भुरकें।
		4. झुलसा, तुलासिता व सफेद रोली	1.इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही दो किलो मैन्कोजेब या ढाई किलो जाईनेब प्रति हैक्टर पानी में मिलाकर छिड़कें। 2. सफेद रोली के लक्षण दिखाई देने पर रिडोमिल एम जेड 72 डब्लू.पी. को ढाई ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
		5. छाछया	इसकी रोकथाम हेतु प्रति हैक्टर 20 किलो गंधक चूर्ण भुरकें या ढाई किलो घुलनशील गन्धक पानी में मिलाकर छिड़कें।

नोटः– उपरोक्त सभी सिफारिशें सामान्य स्थिति में है तथा खण्डीय सिफारिश के अनुरुप उपयोग करें।